

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी मनोहरथाना

महोदय

वकील वादी श्री के.रा.श्री.कु. ने पेश किया

1. वाद अन्दर भिदाद पेश किया है।
2. न्यायालय के श्रवणाधिकार क्षेत्र का है।
3. नियमानुसार उचित कोर्ट फीस पर पेश किया है।
4. प्रतिवादीगण का पूर्ण पता अंकित है।
5. वाद पत्र की प्रतियां वाद पत्र के संलग्न हैं।
6. वादी का शपथ पत्र संलग्न है।
7. तलमना उचित कोर्ट फीस पर प्रस्तुत किया है। तथा नोटिस के साथ वाद पत्र की प्रतियां संलग्न हैं।
8. पर्याप्त वाद हेतुक दर्शाया गया है।
9. वाद पत्र के साथ नवीनतम आवश्यक राजस्व रेकार्ड संलग्न है।

9

स्ता. सीडर

12-9-17 रिपोर्ट सरिस्त: देखी गई वादी वकील उपस्थित है। वाद को दर्ज रजिस्टर किया। प्रत्येक प्रतिवादीगण को जरूर सम्मन/नोटिस जारी किये जावे। पत्रावली वास्ते तलवी एवं जवाब नामक 25/X/12 को पेश हो।

9
उपखण्ड अधिकारी
उपखण्ड अधिकारी
मनोहरथाना

25-X-12 130 विमांक 29-11-12 का चेरा है।

29-11-12 130 विमांक 2-1-18 का चेरा है।

2/1/18 पत्रावली पेचोडुकी/पत्रावली का की उप. उपनिवेशों की तलवी का की है। तलवाय के कृपि पर जारी है। पत्रावली वास्ते तलवी दिनांक 7/2/18 से पेश है।

7/2/18 पत्रावली पेचोडुकी/पत्रावली का की उप. उपनिवेशों के 4 व 5 बापकड सुकन का है। वहाँ से उचित विमांक प्रकपरीप वापस है। वहाँ पर जारी है। उपनिवेशों 1, 2, 3, की तलवी का की है। तलवाय पेचोडुकी पत्रावली वास्ते तलवी दिनांक 22/3/18 से पेश है।

24/7/18 130 विमांक 21/8/18 का चेरा है।

21/8/18 130 विमांक 20/9/18 का चेरा है।

दिनांक / हुआ

कार्यवाही

हस्ताक्षर/दिनांक

क / हुआ

कार्यवाही

हस्ताक्षर/दिनांक

198

१०/६/२५

राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित परिद्धत दीनदयाल उपाध्याय अन्वोदय संवत्त पञ्चवाडा (PDDUASIP) के संदर्भ में ग्राम पंचायतवार आयोजित शिविसें में कुर्सेजात/वटवारा के लम्बित प्रकरणों के निस्तारण हेतु जी.सी.एम.एस. पोर्टल पर मिलान करने के पश्चात् पोर्टल पर दर्ज लम्बित पञ्चवलिषों को कार्यालय/न्यायालय में सर्व किया गया। सर्व उपरान्त प्राप्त पञ्चवली प्राप्त होने पर आज दिनांक को प्रस्तुत की गई। पञ्चवली का अवलोकन किया गया। पञ्चवली दिनांक 16/11/24 के पश्चात् तारीख पेशी से गिरी हुई है। लगभग 24 वर्षों के दौरान पञ्चवली पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। अतः न्यायहित में पञ्चवली पुनः तारीख पेशी पर ली जाती है। एवं संबंधित पक्षकारों को पुनः नोटिस जारी होकर पञ्चवली दिनांक 21/12/25 को पेश हों।

उपपञ्च अतिकारत
प्रमोदहरथाना

१०/७/२५

०१/१०/२५ पञ्चवली नमर से गिरकर चैवडा इर्डी।
शिविषापरु गरी उणो। अतमान करण छि वी
वाप की चलागे के इस्तुड नहीं है। अतः
प्रात गरी इसी असा पर रॉग कर आसि
जिना जाना है। पञ्चवली किसल सुभाट होकर
वाप तकमील नमर से उण होकर गिजिल
हमर हो।

उपपञ्च अतिकारत
प्रमोदहरथाना, विना शालावाड

मधु
१०/१०/२५